

अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति), आगरा की अध्यक्षता में दिनांक 24.02.2026 को आयोजित जल जीवन मिशन (फेस-4) के अन्तर्गत सतही स्रोत आधारित पेयजल योजना में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त।

अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति) की अध्यक्षता में दिनांक 24.02.2026 को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अधिशासी अभियंता उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण), श्री रविन्द्र कुमार जैन, डी.पी.एम, टीपीआई, श्री आनन्द कुमार सिंह, डिस्ट्रिक्ट कोडिनेटर, डीपीएमयू, कार्यदायी संस्था मै० एन०सी०सी० लि० से श्री रमेश कृष्णा, जे०जी०एम०, श्री शिवरामराजू, डीपीएम, मै० मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि० से श्री दीपक कुमार डीपीएम, श्री दीपन डीपीएम और श्री बलदेव यादव, इंजी०, मै० दारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा० लि० से श्री अमित पाण्डे, प्रोजेक्ट मैनेजर, श्री चन्द्रमणि सहायक अभियंता(वि०/या०) तथा समस्त सहायक अभियंता, उ० प्र० जल निगम(ग्रामीण) से श्री मोहित कुमार, श्री कमल भारद्वाज, श्री विमिन अगरिया, श्री प्रीतम सिंह तथा श्री अजुम खान आदि उपस्थित रहे।

अधिशासी अभियंता, उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) तथा टीपीआई के डीपीएम द्वारा दोनों निर्माणाधीन परियोजनाओं की भौतिक प्रगति एवं मै० दारा इंजीनियरिंग के द्वारा 89 नग पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव की प्रगति के सम्बन्ध में अधिशासी अभियंता, उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा निम्नलिखित रूप से बताया गया—

मै० एन०सी०सी०-एपको(जे०बी०), पैकेज-01

- भूमिगत जलाशय (CWR) की प्रगति-** जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै० एन०सी०सी० द्वारा कुल 17 सी०डब्ल्यू०आर० का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। टी०पी०आई० द्वारा बताया गया 17 सी०डब्ल्यू०आर पर पीसीसी का कार्य (0-25 प्रतिशत) पूर्ण, 17 सी०डब्ल्यू०आर पर राफ्ट कार्य (26-50 प्रतिशत) पूर्ण, 16 सी०डब्ल्यू०आर पर रिटेनिंग वॉल कार्य (51-75 प्रतिशत) पूर्ण एवं 13 सी०डब्ल्यू०आर पर स्लैब कार्य (76-99 प्रतिशत) कार्य पूर्ण हो चुका है। टी०पी०आई० द्वारा बताया गया 394 के सापेक्ष मात्र 330 मैनपावर उपलब्ध है जो कि बहुत कम है जिससे निर्माण कार्य धीमी गति से हो रहा है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा मै० एन.सी.सी के जे.जी.एम को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य पूर्ण कराये एवं जहाँ-जहाँ पर सिविल कार्य पूरा हो गया है वहाँ पर वि०/या० के उपकरण/मशीनरी का इन्स्टॉलेशन का कार्य शीघ्र प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करें।
- पम्प हाउस (Pump House) की प्रगति-** जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै० एन०सी०सी० द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै० एन०सी०सी० द्वारा कुल 17 सी०डब्ल्यू०आर पर 17 पम्प हाउस का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। टी०पी०आई० द्वारा बताया गया 17 सी०डब्ल्यू०आर के पम्प हाउस पर पीसीसी का कार्य (0-25 प्रतिशत), 17 सी०डब्ल्यू०आर के पम्प हाउस पर राफ्ट कार्य (26-50 प्रतिशत), 14 सी०डब्ल्यू०आर के पम्प हाउस पर रिटेनिंग वॉल कार्य (51-75 प्रतिशत) एवं 03 सी०डब्ल्यू०आर के पम्प हाउस पर स्लैब कार्य (76-99 प्रतिशत) हो चुका है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा जे०जी०एम०, एन०सी०सी० को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य समयान्तर्गत पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।
- सब स्टेशन बिल्डिंग (Sub-Station Building) की प्रगति-** जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै० एन०सी०सी० द्वारा 17 सी०डब्ल्यू०आर पर 17 सब स्टेशन बिल्डिंग (HT Room, LT Room, Scada Room आदि) का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसमें 14 सी०डब्ल्यू०आर के सब स्टेशन बिल्डिंग पर फुटिंग का कार्य(0-25 प्रतिशत), 03 सी०डब्ल्यू०आर के सब स्टेशन बिल्डिंग पर फुटिंग का कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है। 11 सी०डब्ल्यू०आर के सब स्टेशन बिल्डिंग पर प्लिथ बीम का कार्य(26-50 प्रतिशत), 07 सी०डब्ल्यू०आर के सब स्टेशन बिल्डिंग पर लिन्टेल बीम कार्य(51-75 प्रतिशत) एवं 06 सी०डब्ल्यू०आर के सब स्टेशन बिल्डिंग पर रूफ स्लैब कार्य (76-99 प्रतिशत) कार्य हो चुका है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा जे०जी०एम०, एन०सी०सी० को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य समयान्तर्गत पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये। यह सुनिश्चित किया जाये कि Drawing/Design के अनुसार ही निर्माण कार्य कराये।
- क्लोरीनेटर बिल्डिंग (Chlorinator Building) की प्रगति-** टी० पी० आई० द्वारा बताया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै० एन०सी०सी० द्वारा 17 सी०डब्ल्यू०आर पर 17 क्लोरीनेटर बिल्डिंग एवं UGR पर 01 क्लोरीनेटर बिल्डिंग का निर्माण कार्य किया जाना है। 10 सी०डब्ल्यू०आर के क्लोरीनेटर बिल्डिंग पर फुटिंग का कार्य(0-25 प्रतिशत), 08 सी०डब्ल्यू०आर के क्लोरीनेटर बिल्डिंग पर फुटिंग का कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है। 09 सी०डब्ल्यू०आर के क्लोरीनेटर बिल्डिंग पर प्लिथ बीम का कार्य(26-50 प्रतिशत), 07 सी०डब्ल्यू०आर के क्लोरीनेटर बिल्डिंग पर लिन्टेल बीम कार्य(51-75 प्रतिशत) एवं 05 सी०डब्ल्यू०आर के क्लोरीनेटर बिल्डिंग पर रूफ स्लैब कार्य(76-99 प्रतिशत) हो चुका है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा जे०जी०एम०, एन०सी०सी० को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए प्राथमिकता पर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये।
- पाइप लेइंग -** अधिशासी अभियंता उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था को कुल 1997.71 किमी पाइप बिछाये जाने के सापेक्ष 1121.20 किमी कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसमें से MS Pipe 165.31 किमी० एवं DI Pipe 1002.40 किमी०

विधायक जाना प्रस्तावित है। MS Pipe 156.74 किमी एवं DI Pipe 1708.19 किमी पाइप की आपूर्ति की जा चुकी है तथा MS Pipe 88.16 किमी एवं DI Pipe 1063.03 किमी पाइप लाइन विधायक जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। अद्योहस्ताक्षरी द्वारा जे0जी0एम0 एन0सी0सी0 को निर्देशित किया गया कि शेष पाइप की आपूर्ति कर ली जाये, पाइप लेइंग की गहराई मानक के अनुसार ही की जाये इसके साथ ही एन.एस पाइप की ज्वाइंटिंग एवं ब्रेकिंग अनुबन्ध के अनुसार आई.एस. कोड में निहित मानकों के अनुसार की जाये तथा टीम व मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए, स्वीकृत ड्राइंग एवं डिजाइन तथा गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

6. फसल क्षतिपूर्ति- जे0जी0एम0 एन0सी0सी0 द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत 40 राजस्व ग्राम के फसल क्षतिपूर्ति पितरण प्रक्रिया को तैयार कर लिया गया है जिसमें से दिकारखण्ड अकोला की ग्राम पंचायत अकोला पार्ट में लगभग 20 किसानों को फसल क्षतिपूर्ति प्रदान की जा चुकी है। अद्योहस्ताक्षरी द्वारा अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) तथा जे0जी0एम0 एन0सी0सी0 को निर्देशित किया गया कि जिन किसानों की भूमि के पिरा क्षेत्र से पाइपलाइन गुजरने से फसलों की क्षति हुई है उनके फसलों की फसल क्षतिपूर्ति नियमानुसार कराये। इसके साथ-साथ अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) फसल क्षतिपूर्ति का सम्पूर्ण विवरण व अभिलेख कार्यालय में सुरक्षित रखें। जनपद के सम्बन्धित तहसीलदार, सहायक अभियंता एवं अवर अभियंता यह सुनिश्चित करें कि पात्र किसानों को ही नियमानुसार फसल क्षतिपूर्ति हो।
7. हाइड्रोटेस्टिंग- समीक्षा नैटक में अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 1121.20 किमी पाइप लेइंग की गयी है जिसके सापेक्ष 178.04 किमी की हाइड्रोटेस्टिंग हुई है जो कि बहुत कम है इस पर अद्योहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा जे0जी0एम0, एनसीसी को निर्देशित किया गया कि निर्धारित मानकों के अनुसार सभी लेइंग किये गये पाइपों की हाइड्रोटेस्टिंग की जाये। हाइड्रोटेस्टिंग की RFI की समय से सूचना विभाग के चार्टर्डेड गुप पर तथा अधिशासी अभियंता व अद्योहस्ताक्षरी को भी प्रेषित करें। हाइड्रोटेस्टिंग टीपीआई तथा जल निगम के सहायक अभियंता/अवर अभियंताओं की ज्वाइंट उपस्थिति में की जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि जो पाइप विधायक जा चुके हैं सभी की अनिवार्य रूप से मानक के अनुसार अनुबन्ध में निर्धारित IS CODE/CPHU Manual/Working Pressure जो नियमानुसार हो, को बनाए रखते हुए हाइड्रोटेस्टिंग की जाये तथा नियमानुसार अल्ट्रासोनिक टेस्ट भी किये जाये, जिससे भविष्य में पानी लीकेज की समस्या न हो। यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही पायी जाती है तो सम्बन्धित का उत्तरदायित्व निर्धारित करतें हुए कठोर कार्यवाही की जायेगी।
8. डिजाइन व ड्राइंग- टीपीआई के डीपीएम द्वारा बताया गया कि कहीं-कहीं राइट पर कार्य हेतु एप्रूव्ड ड्राइंग, कॉन्ट्रैक्टर द्वारा टीपीआई के कर्मचारियों को नहीं दी जा रही है। अद्योहस्ताक्षरी द्वारा अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया कि सभी एप्रूव्ड डिजाइन की सूची तत्काल टीपीआई को उपलब्ध करायी जाए तथा जिन डिजाइन-ड्राइंगों को विभाग द्वारा एप्रूव्ड नहीं किया गया है कॉन्ट्रैक्टर उन्हें अतिशीघ्र एप्रूव्ड कराकर टीपीआई को उपलब्ध कराये। टीपीआई तथा अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) व समस्त सहायक अभियंताओं को निर्देशित किया गया कि विभाग द्वारा एप्रूव्ड डिजाइन के अनुसार ही निर्माण कार्य कराये साथ ही संस्था को निर्देश दिए गये कि यह एप्रूव्ड डिजाइन व ड्राइंग के अनुसार ही कार्य कराये।
9. रोड़ रेस्टोरेशन- अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 एन0सी0सी0 द्वारा रोड़ डिमेंटलिंग 21.13 किमी की गयी है जिसके सापेक्ष में 4.64 किमी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष 16.49 किमी रोड़ रेस्टोरेशन का कार्य प्रगति पर है। जिस पर अद्योहस्ताक्षरी द्वारा जे0जी0एम, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए रोड़ रेस्टोरेशन का कार्य 01 सप्ताह का विशेष अभियान चलाकर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सम्बन्धित विभाग के साथ ज्वाइंट इन्सपेक्शन कराकर कार्यों की गुणवत्ता की जाँच कर दिनागों से अनापत्ति/संतुष्टि प्रमाण पत्र प्राप्त कर अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें।
10. नॉन-कंप्लायंस रिपोर्ट- टीपीआई के डीपीएम द्वारा बताया गया कि मै0 एन0सी0सी0 पर कुल 85 एन0सी0 लगायी गयी थी जिसमें से 80 एन0सी0 का अनुपालन हो गया है। वर्तमान में 05 एन0सी0 (क्रिटिकल-04, मेजर-02) अभी लंबित है जिनको अभी तक कार्यदायी संस्था द्वारा पूर्ण नहीं की गया है। जिस पर अद्योहस्ताक्षरी द्वारा मै0 एन0सी0सी0 के जे0जी0एम0, को निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द लंबित एन0सी0 का नियमानुसार निस्तारित कराये तथा अवगत कराये। टीपीआई को निर्देशित किया गया कि गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें।
11. एन0ओ0सी0- अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 एन.सी.सी के एन0ओ0सी0 का विवरण निम्नवत् है-
 - रेलवे एन0ओ0सी- रेलवे के अन्तर्गत फर्म को 62 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी पोर्टल पर अप्लाइ कर दी गयी है। 45 एन0ओ0सी0 रेलवे द्वारा प्राप्त हो चुकी है, शेष एन0ओ0सी0 प्रक्रियाधीन है।
 - एन0एच0आई0- एन0एच0आई0 के अन्तर्गत फर्म को 07 फाइल के अन्तर्गत 37 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी पोर्टल पर अप्लाइ कर दी गयी है। 04 नम एन.ओ.सी का एस्टीमेट रिसीव हुआ है एवं 04 नम एन.ओ.सी का एस्टीमेट का भुगतान किया जा चुका है। मात्र 02 नम एन0ओ0सी0 की परमीशन प्राप्त हो चुकी है।

- एनओसी(पीओडब्ल्यूडी)- एनओसी(पीओडब्ल्यूडी) के अन्तर्गत फर्म को 03 नग एनओसी की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एनओसी अप्लाई कर दी गयी है, 03 नग का एस्टीमेट प्राप्त हुआ एवं 03 नग एन.ओ.सी का एस्टीमेट का भुगतान किया जा चुका है।
- Yeida- येडा के अन्तर्गत 01 नग एनओसी की आवश्यकता है जिसको फर्म द्वारा अप्लाई की गयी है।
- यूपीडा(UPEIDA)- यूपीडा के अन्तर्गत 01 नग एनओसी फर्म द्वारा अप्लाई कर दी गयी है जो कि प्रक्रियाधीन है।
- सिंचाई विभाग- सिंचाई विभाग के अन्तर्गत कुल 209 एनओसी की आवश्यकता है 207 नग एन.ओ.सी. हेतु ड्राइंग अधिशासी अभियंता लोअर खण्ड आगरा नहर, आगरा के यहाँ जमा करवा दी गयी है शेष प्रक्रियाधीन है।
- वन विभाग- फॉरेस्ट विभाग के अन्तर्गत फर्म को 11 एनओसी की आवश्यकता है जिसमें 08 एनओसी परिवेश पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 02 नग एन.ओ.सी प्राप्त हो चुकी है। इसके अतिरिक्त वाइल्ड लाइफ सेंचरी की एनओसी हेतु ज्वाइंट विजिट कर ऑनलाइन अपलोड का दिया गया है।
अतः मै0 एन.सी.सी के जे.जी.एम को निर्देशित किया गया कि शेष बची हुई सम्बन्धित विभागों की MOC तत्काल अप्लाई करें। इसके साथ-साथ श्री अंजुम खान, सहायक अभियंता उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि एनओसी के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित कर ले कि मै0 एनसीसी के स्तर से आवेदन हेतु यदि कोई एनओसी लम्बित है, तो तत्काल अप्लाई करावें।

12. सुरक्षा मानकों के अनुरूप कार्य कराना- टीपीआई के डीपीएम द्वारा बताया गया कि कार्यवाही संस्था मै0 एनओसी द्वारा सुरक्षा मानकों का पालन करने में शिथिलता बरती जा रही है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बन्धित को सुरक्षा मानकों के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए गये। यदि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया तो कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि०, पैकेज-02

1. अवर जलाशय (OHT) की प्रगति- टीपीआई द्वारा बताया गया कि कार्यवाही संस्था मै0 मेघा इंजीनियरिंग द्वारा अभी तक 407 के सामेक्ष मात्र 380 ओएचटी पर कार्य प्रगति पर है। जिसमें से 08 ओएचटी पर खुदाई का कार्य, 372 ओएचटी पर पीसीसी कार्य(0-25 प्रतिशत), 27 ओएचटी पर खुदाई का कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है। 86 ओएचटी पर स्टेजिंग का कार्य(26-50 प्रतिशत), 48 ओएचटी पर स्लैब का कार्य (51-75 प्रतिशत) एवं 10 ओएचटी पर जिक एलम टैंक रखने का कार्य (78-89 प्रतिशत) किया जा चुका है। टीपीआई के डीपीएम द्वारा बताया गया 1635 के सामेक्ष मात्र 225 मैनपावर उपलब्ध है जो कि आवश्यक मैन पावर से बहुत कम है जिससे निर्माण कार्य अत्यन्त धीमी गति से हो रहा है जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा गहरी नाराजगी प्रकट करते हुए मै0 मेघा इंजी० के डीपीएम श्री दीपक एवं श्री दीपन को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर बढ़ायें एवं कार्य को तत्समय गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें तथा शेष बची हुई 27 ओएचटी पर शीघ्र कार्य प्रारम्भ करावें।
2. जिक एलम टैंक- टीपीआई के डीपीएम द्वारा बताया गया कि 10 ओएचटी पर जिक एलम टैंक का कार्य हो चुका है जहाँ-जहाँ पर ओएचटी के स्लैब का कार्य पूर्ण हो चुका है और जिन पर जिक एलम टैंक रखे जाने हैं, उन सभी स्थलों की सूची व संख्या तथा कितने किलोलीटर क्षमता का है अभी तक मै0 मेघा के द्वारा सूची उपलब्ध नहीं करायी गयी है। मीटिंग में बार-बार कहने के बाद भी मै0 मेघा इंजी० द्वारा इस आशय का पत्र नहीं दिया जा रहा है कि कितने जिक एलम टैंक बनाने हैं तथा कितने कन्वैन्शनल टैंक बनाने हैं। अधोहस्ताक्षरी द्वारा मै0 मेघा इंजी० के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि उक्त की सूची तत्काल उपलब्ध करावें। सभी डिजाइन (Sub Structure & Super Structure) चेक कर ली जाये। टैंक इन्स्टॉलेशन से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि स्ट्रक्चर पर आने वाले सभी प्रकार के लोड एवं Sudden Bursting के फलस्वरूप उत्पन्न Hydrodynamic Force इत्यादि हेतु स्ट्रक्चर पूर्णतः सुरक्षित है। टैंक इन्स्टॉलेशन के 15 दिनों के भीतर टैंक की वाटर टाइटनेस इत्यादि की टेस्टिंग करायी जाये परंतु कई बार विभिन्न बैठकों में आपको निर्देशित किया जा चुका है किन्तु अभी तक आपके द्वारा टैंक के वाटर टेस्टिंग का कार्य नहीं किया गया है जिससे भविष्य में जिक एलम टैंक के लाइनर खराब हो जाने के कारण कोई अभिय घटना घटित होने की संभावना है। इसके साथ ही ओएचटी की डिजाइन एवं ड्राइंग सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत करायी जाये। अधिशासी अभियंता उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि उपरोक्त सभी बिन्दुओं की जाँच करावें। यदि किसी भी स्तर पर कोई कमी पाई जाती है तो संबंधित का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए नियमानुसार कठोर कार्यवाही कर रिपोर्ट प्रेषित करें।
3. पाइप लेइंग- अधिशासी अभियंता, उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि पाइप लेइंग के अन्तर्गत कुल 7567.76 किमी पाइप बिछाये जाने का लक्ष्य है जिसमें से कुल 6033.00 किमी पाइप की आपूर्ति की जा चुकी है तथा कुल 3950.33 किमी पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा डीपीएम मै0 मेघा इंजीनियरिंग को निर्देशित किया गया कि वह शेष डिस्ट्रीब्यूशन पाइप की आपूर्ति को लक्ष्य के सामेक्ष पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा टीम व मैन पावर की संख्या बढ़ाते हुए गुणवत्ता मानकों का पालन करते हुए कार्य कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही टीपीआई को निर्देशित किया गया कि पाइप बिछाये जाने के दौरान लेइंग की गहराई का विशेष ध्यान रखते हुए मानक के अनुसार कार्य कराना सुनिश्चित करें। टीपीआई द्वारा बताया गया कि कहीं-कहीं पर पाइप लेइंग में मानक के अनुसार गहराई में गरीबी की जा रही है जिसकी शिकायतें प्राप्त हो रही

है। अधिशासी अभियंता उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) तथा टीपीआई के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि पाइप लाइन बिछाये जाने के दौरान एवं पाइप लाइन बिछाये जाने के उपरान्त रैण्डम आधार पर गहराई चेक करें। यदि अनुबंध के अनुसार निर्धारित गहराई से कम पाई जाती है तो सम्बन्धित का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए कठोर कार्यवाही करें तथा अधोहस्ताक्षरी को रिपोर्ट प्रेषित करें।

4. हाइड्रोटेस्टिंग- समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियंता, उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 3660.33 किमी पाइप लेइंग की गयी है जिसके सापेक्ष 598.28 किमी की हाइड्रोटेस्टिंग हुई है जो कि बहुत कम है इस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा प्रोजेक्ट मैनेजर, मेधा इंजी० को निर्देशित किया गया कि निर्धारित मानकों के अनुसार सभी लेइंग किए गये पाइपों की हाइड्रोटेस्टिंग की जाये। हाइड्रोटेस्टिंग की RFI की समय से सूचना, विभाग के व्हाट्सएप्प ग्रुप पर तथा अधिशासी अभियंता व अधोहस्ताक्षरी को भी प्रेषित करें। हाइड्रोटेस्टिंग टीपीआई तथा जल निगम के सहायक अभियंता/अवर अभियंताओं की ज्वाइंट उपस्थिति में की जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि जो पाइप बिछाये जा चुके हैं सभी की अनिवार्य रूप से मानक के अनुसार अनुबन्ध में निर्धारित IS CODE/CPHU Manual/Working Pressure जो नियमानुसार हो, को बनाए रखते हुए हाइड्रोटेस्टिंग की जाये जिससे भविष्य में पानी लीकेंज की समस्या न हो। यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही पायी जाती है तो सम्बन्धित का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए कठोर कार्यवाही की जायेगी।

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के पत्रांक संख्या 3910/जे०जे०एम (हाइड्रो टेस्टिंग)/2025-26/Tech-05 दिनांक 24.02.2026 के द्वारा निर्देशित किया गया है कि जिन योजनाओं में अवर जलाशयों का हाइड्रो टेस्टिंग का कार्य पूर्ण नहीं किया गया है उनमें अवर जलाशय के माध्यम से तब तक जलापूर्ति न किया जाय। जब तक कि निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार हाइड्रो टेस्टिंग का कार्य पूर्ण नहीं कर लिया जाता है। जिन योजनाओं में ओ०एच०टी० का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, उनमें हाइड्रो टेस्टिंग का कार्य दिनांक 20 मार्च, 2026 तक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें, एवं सीपेज आदि की स्थिति में आई०एस० कोड 3370 (पार्ट 01 एवं 02) के अनुसार उनका ट्रीटमेंट कराने के परचात ही अवर जलाशय के माध्यम से जलापूर्ति की जाय।

5. डिजाइन व ड्राइंग- टीपीआई के डीपीएम द्वारा बताया गया कि कहीं-कहीं साइट पर कार्य हेतु स्वीकृत ड्राइंग, कॉन्ट्रैक्टर द्वारा टीपीआई के अभियंताओं को नहीं दी जा रही है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया कि सभी एपूब ड्राइंग की सूची तत्काल टीपीआई को उपलब्ध करायी जाए तथा जिन ड्राइंगों को विभाग द्वारा एपूब नहीं किया गया है कॉन्ट्रैक्टर उन्हें अतिशीघ्र विभाग द्वारा एपूब कराकर टीपीआई एवं अधोहस्ताक्षरी को अतिशीघ्र उपलब्ध करायें। अधोहस्ताक्षरी द्वारा टीपीआई तथा अधिशासी अभियंता उ० प्र० जल निगम(ग्रामीण) तथा समस्त सहायक अभियंताओं को निर्देशित किया गया कि एपूब ड्राइंग व डिजाइन के अनुसार ही निर्माण कार्य करायें।

6. एफ०एच०टी०सी० की स्थिति- अधिशासी अभियंता, उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जनपद आगरा में कार्यदायी संस्था मै० मेधा इंजीनियरिंग को 810 राजस्व ग्रामों ने कुल 296833 एफ०एच०टी०सी० का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके सापेक्ष संस्था द्वारा 1:1987 एफ०एच०टी०सी० कनेक्शन दिये गये। विगत 01 वर्ष से नल संयोजन में कोई प्रगति नहीं हुई है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा मै० मेधा इंजीनियरिंग को निर्देश दिया कि मशीनरी व लेबर की संख्या बढ़ाते हुए नल संयोजन की गति को तीव्र कराए। हाउस टैप कनेक्शन को घर के अन्दर तक पहुंचाया जाए एवं स्कूलों, पंचायतों व नवों आंगनवाड़ी केन्द्रों व अन्य सरकारी भवनों पर भी नियमानुसार नल संयोजन कराये जाए तथा यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी ग्राम पंचायत एवं राजस्व ग्राम का कोई भजरा छूट ना पाये एवं प्रत्येक घरा ने एफ०एच०टी०सी० कनेक्शन घर के अन्दर ही हो एवं सही तरीके से क्लैम्पिंग व ज्वाइंटिंग की जायें। टी.पी.आई. द्वारा बताया गया कि MDPE पाइप घरों के बाहर तक छोड़ दिये गये हैं उनमें GI Pipe पाइप तथा टॉटिया नहीं लगायी गयी है। अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए गये कि जाँच कराकर नियमानुसार कमियों को दूर कराये तथा रिपोर्ट प्रेषित करें।

7. रोड रेस्टोरेशन- अधिशासी अभियंता उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै० मेधा इंजी० के द्वारा रोड डिस्मेंटलिंग 1302.49 किमी की गयी है जिसके सापेक्ष में 1192.82 किमी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष 109.68 किमी रोड रेस्टोरेशन का कार्य लंबित है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, मै० मेधा इंजीनियरिंग को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें एवं पाइप लाइन बिछाने के दौरान सी०सी० रोड की कटिंग जे०सी०बी० से न कराकर रोड कटर से कराये व कॉन्ट्रैक्टर के माध्यम से पूर्ण कॉम्पैक्शन कराये। डामरीकृत रोड की कटिंग उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) एवं सम्बन्धित विभाग को पूर्व सूचित करते हुए NOC लेने के उपरान्त कार्य कराना सुनिश्चित करें। टी०पी०आई० को निर्देशित किया गया कि वह प्रतिदिन दो वलस्टर की रोड रेस्टोरेशन का कार्य सहायक अभियंताओं एवं अवर अभियंताओं की निगरानी में कराते हुए अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) एवं अधोहस्ताक्षरी को सूचित करेंगे। सी०सी०, बी०ओ०ई०, विद्युत्निगम रोड, कं०सी० रोड, इण्टरलॉकिंग रोड का रोड रेस्टोरेशन कार्य मानक के अनुरूप अनिवार्य रूप से कराये। JMR टीपीआई तथा जल निगम के अभियंताओं के साथ संयुक्त रूप से की जायें। यदि JMR के समय किसी भी प्रकार की शिथिलता बरती जाती है तो सम्बन्धित का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए कठोर कार्यवाही की जायेगी।

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के पत्रांक संख्या 3911/जे०जे०एम(रोड रेस्टोरेशन)/2025-26/Tech-05 दिनांक 24.02.2026 के द्वारा निर्देशित किया गया है कि जल जीवन मिशन अन्तर्गत प्रदेश के समस्त ग्रामीण क्षेत्रों में क्रियान्वित की जा रही ग्रामीण पाइप पेयजल योजनाओं हेतु काटी गयी सड़कों की मरम्मत (रिपेयर/रेस्टोरेशन) करने हेतु दिशा-निर्देश दिये गये हैं।

1. ऐसी योजनाएँ जिनमें भौतिक रूप से पूर्ण है और टेस्टिंग का कार्य चल रहा है। उन योजनाओं की तोड़ी गयी सड़कों को 15 मार्च तक पूर्ण रूप से मोटेरेवेल कर दिया जाय, जैसे ही टेस्टिंग कार्य पूर्ण हो जाता है, तो उन योजनाओं की सड़कों को पूर्ण रूप से मूलरूप में रिपेयर कर दिया जाय। तत्परवात O&M में ले ले जाया जाय।
 2. योजनाएँ जिनमें पाइप लाइन के कार्य चल रहे हैं, तो उनमें अनवरत रूप से सड़कों की गरमात/गढ़ा मुक्त करते हुए मोटेरेवेल कराया जाय।
 3. मार्च के उपरान्त जल सारथी ऐप एवं पोर्टल तथा कॉल सेन्टर के माध्यम से जनता / प्रधानगण से फीडबैक/शिकायतें प्राप्त की जायेगी। यदि स्थलीय सत्यापन के बाद शिकायतें सही पाई जाती हैं, तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी।
8. **नॉन-कंप्लायंस रिपोर्ट-** टीपीआई के डीपीएम द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजीनियरिंग को कुल 181 एन0सी0 लगायी गयी थी जिसमें से 120 एन0सी0 का अनुपालन हो गया है। वर्तमान में 61 (क्रिटिकल-43 एवं मेजर-14 माइनर-04) एन0सी0 अभी लंबित हैं जिनको अभी तक कार्यदायी संस्था द्वारा पूर्ण नहीं की गयी है। टीपीआई द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजी द्वारा एन.सी क्लोज नहीं की जा रही है जिससे गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। जिस पर अद्योहस्ताक्षरी द्वारा मै0 मेघा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द लंबित एन0सी0 नियमानुसार क्लोज कराये। यदि गुणवत्ता में कमी पायी जाती है तो कठोर कार्यवाही की जायेगी। टीपीआई एवं जल निगम ग्रामीण के सहायक अभियंता/अवर अभियंताओं द्वारा स्थलीय सत्यापन कर निरीक्षण आख्या अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम ग्रामीण को प्रेषित करें।
9. **एन0ओ0सी0-** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजी0 द्वारा एन0ओ0सी0 के कार्यों में रुचि नहीं ली जा रही है। एन0ओ0सी0 का विवरण निम्नवत् है-
- **रेलवे एन0ओ0सी0-** रेलवे के अन्तर्गत फर्म को 59 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी0 पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 36 एन0ओ0सी0 रेलवे द्वारा प्राप्त हो चुकी है, शेष एन0ओ0सी0 प्रक्रियाधीन है।
 - **एन0एच0आई0-** एन0एच0आई0 के अन्तर्गत फर्म को 08 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी0 पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 03 एन0ओ0सी0 के डिमांड प्राप्त हो चुकी है जिसके अन्तर्गत मात्र 01 नग एन0ओ0सी0 का बैंक गारंटी और डिमांड जमा किया गया है।
 - **एन0एच0(पी0डब्ल्यू0डी)-** एन0एच0(पी0डब्ल्यू0डी) के अन्तर्गत फर्म द्वारा एन0ओ0सी0 अप्लाई कर दी गयी है, जो कि प्रक्रियाधीन है।
 - **Yeida-** येडा के अन्तर्गत 01 नग एन0ओ0सी0 फर्म द्वारा अप्लाई की गयी है।
 - **यूपीडा(UPEIDA)-** यूपीडा के अन्तर्गत 01 नग एन0ओ0सी0 फर्म द्वारा अप्लाई कर दी गयी है जो कि प्रक्रियाधीन है।
 - **सिंचाई विभाग-** सिंचाई विभाग के अन्तर्गत कुल 183 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है 70 नग एन.ओ.सी. हेतु ड्राइंग अधिशासी अभियंता लोअर खण्ड आगरा नहर, आगरा के यहाँ जमा करवा दी गयी हैं शेष प्रक्रियाधीन है।
 - **वन विभाग-** फॉरेस्ट विभाग के अन्तर्गत फर्म द्वारा फॉरेस्ट की एन0ओ0सी0 परिवेश पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। इसके अतिरिक्त पाइलड लाइफ सेंचरी की एनओसी हेतु ज्वाइंट विजिट की प्रक्रियाधीन है।
- अतः मै0 मेघा इंजी0 के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि वाइल्ड लाइफ सेंचरी तथा शेष बची हुई सम्बन्धित विभागों की NOC तत्काल अप्लाई करें। इसके साथ-साथ श्री अंजुम खान, सहायक अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि एनओसी के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित कर लें कि मै0 एनसीसी व मै0 मेघा इंजी0 के स्तर से आवेदन हेतु यदि कोई एनओसी लंबित है, तो तत्काल अप्लाई कराये।

मै0 द्वारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0। (O&M)

1. **संचालन एवं रखरखाव-** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 द्वारा इंजीनियरिंग को जनपद आगरा की 89 नग पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव हेतु दिनांक 01.05.2025 को शासन द्वारा अनुमति किया गया है। जिसके अन्तर्गत फर्म को पेयजल योजनाओं का प्रावकलन तैयार कर अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) कार्यालय में जमा करा दिया गया है। जिसमें 73 नग पेयजल योजनाएँ आंशिक क्रियाशील एवं 16 नग पेयजल योजनाएँ बंद थीं। मै0 द्वारा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री अमित पाण्डे द्वारा बताया गया कि 73 नग पेयजल योजनाओं में से 04 नग पेयजल योजनाएँ में बुझना मुस्तिकिल एवं सीगना बुजुर्ग पावर सप्लाई न होने के कारण बंद है एवं नाईपुर मुस्तिकिल एवं खन्डेर पेयजल योजना ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण बंद है। अद्योहस्ताक्षरी द्वारा सहायक अभियंता (वि0/या0) को निर्देशित किया गया कि जिन 04 नग पेयजल योजनाओं पर विद्युत आपूर्ति के कारण संचालन बाधित है, उसके सम्बन्ध में उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) एवं विद्युत विभाग से समन्वय स्थापित कर तत्काल विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराये।
2. **आच्छादित मजदूरों में एक.एच.टी.सी.की स्थिति-** मै0 द्वारा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री अमित पाण्डे द्वारा बताया गया कि जनपद आगरा की O&M के अन्तर्गत 89 नग पेयजल योजनाओं को कुल 101728 एक.एच.टी.सी है। वर्तमान में 101728 नग नल कनेक्शनों के शापेक्ष में मात्र 24381 नग नल कनेक्शनों के माध्यम से जलतापूर्ति की जा रही है। 89 नग पेयजल योजनाओं में 417 मजदूर शामिल



है जिसमें से मात्र 117 मजराओं में आंशिक रूप से पानी की जलापूर्ति की जा रही है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा गहरी नाराजगी व्यक्त की गयी। अधिशासी अभियंता, उ० प्र० जल निगम(ग्रामीण) एवं मै० दारा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि जलापूर्ति में आने वाली सभी कमियों को नियमानुसार दूर कराते हुए सभी मजराओं में जल्द से जल्द जलापूर्ति की जायें।

3. **जलापूर्ति सम्बन्धी शिकायत/निस्तारण की स्थिति-** मै० दारा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री अमित पाण्डे द्वारा बताया गया कि फर्म के हेल्प लाइन नं 0562-4336113 पर माह दिसम्बर तक प्राप्त 246 जलापूर्ति सम्बन्धी शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से फर्म द्वारा 187 जलापूर्ति सम्बन्धी शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया है। अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण द्वारा बताया गया कि अधिशासी निदेशक महोदय द्वारा निर्देश दिये गये हैं कि ग्रीष्म श्रुतु आरम्भ होने वाली है जहाँ-जहाँ जलापूर्ति की समस्या बनी हुई है वहाँ तत्काल समस्याओं का निस्तारण कर जलापूर्ति करना सुनिश्चित करें। अधोहस्ताक्षरी द्वारा मै० दारा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया कि तत्काल जलापूर्ति कराना सुनिश्चित करें।
4. **पम्प ऑपरेटर-** अधिशासी अभियंता, उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 89 योजनाओं में से 73 नग्न पेयजल योजनाओं पर पम्प ऑपरेटर तैनात किये गये हैं। 16 पेयजल योजनायें अक्रियशील हैं। मै० दारा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा बताया गया कि बंद 16 पेयजल योजनाओं में से ब्लॉक बरौली अहीर के ग्राम पंचायत पंचगई खेरा और ब्लॉक शमशाबाद की ग्राम पंचायत कोलारा कला एवं ब्लॉक बिघपुरी की ग्राम पंचायत गदसानी में जलापूर्ति सुचारु करा दी गयी है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा मै० दारा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि सभी योजनाओं का संचालन सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाये तथा जिन ग्राम पंचायतों में जलापूर्ति बहाल की गयी है, वहाँ निरन्तर एवं सुचारु जलापूर्ति सुनिश्चित की जाये।

टी०पी०आई० (मै० फिशरर कन्सल्टिंग इंजीनियर्स (इम्पिडिया) प्रा०लि०)- अधोहस्ताक्षरी द्वारा टी०पी०आई० के डीपीएम को निर्देशित किया कि समस्त निर्माण कार्यों पर स्वीकृत ड्रॉइंग/डिजाइन तथा गुणवत्ता व मानकों का पालन कराते हुए कार्य कराना सुनिश्चित करें। निर्माण ताम्रियों का नियमानुसार प्रयोगशाला में परीक्षण कराये। पाइप की हाइड्रोटेस्टिंग एवं टैंक इन्सुलेशन के 15 दिवस के अन्दर पानी भरकर टैंक की टैस्टिंग कराये तथा रिपोर्ट भी प्रस्तुत करें। रोड रेस्टोरेशन की गुणवत्ता चेक करें। टीपीआई के डीपीएम स्वयं तथा जल निगम ग्रामीण के सभी सहायक अभियंता/अवर अभियंता अपने अपने क्षेत्रों में कराये जा रहे समस्त कार्यों का निरीक्षण करें तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए कार्य कराना सुनिश्चित करें। भविष्य में गुणवत्ता व अन्य मानकों में किसी भी प्रकार की शिथिलता पायी जाने पर सम्बन्धित सहायक अभियंता/अवर अभियंता तथा टी०पी०आई० पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

उ०प्र० जल निगम ग्रामीण (वि०/याँ०)- सहायक अभियंता(वि०/याँ०), श्री चन्द्रमणि द्वारा अवगत कराया गया कि पैकेज-1 के अन्तर्गत समस्त पम्पस, ट्रान्स्फार्मर, वाल्व, पी.एल.सी, स्काडा सिस्टम, इलेक्ट्रो मैग्नेटिक फ्लोमीटर, ऑटोमैटिक क्लोनीरेशन सिस्टम, एल.टी. व एच.टी. पैनल एवं केविल के ऑर्डर प्लेस हो गये हैं जिसके साथै समस्त 108 नग्न पम्पस, 143 नग्न चेक वाल्व, 242 नग्न वाल्व 34 नग्न ट्रान्स्फार्मर, 251 नग्न प्रेशर गेज, एच.टी. पैनल, डबल पोल स्ट्रक्चर एवं एल.टी., एच.टी. केविल व एल.टी पैनल एन. सी.सी. के स्टोर में आ गये हैं। डी.जी. सेट का ऑर्डर प्लेस करना शेष है। बरौली अहीर, खन्दीली, सैया सी.डब्लू.जार एवं यू०जी०आर० पर वि०/याँ० यंत्र सांयंत्रों का अधिष्ठापन कार्य प्रारम्भ करा दिया गया है। योजनान्तर्गत प्रस्तावित कुल 18 नग्न विद्युत संयोजनों के प्राक्कलन की धनराशि संबंधित विद्युत विभाग में जमा करा दी गयी है तथा 16 नग्न विद्युत संयोजनों पर विद्युत विभाग द्वारा कार्य प्रारम्भ करा दिया गया है। पैकेज-2 के अन्तर्गत उपकरणों का विभाग द्वारा अवलोकन कर संशोधित डिजाइन-ड्रॉइंग, डिजाइन टीन के साथ उपलब्ध कराने हेतु मै० दारा इंजीनियरिंग को निर्देशित किया गया।

उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण) साइट निरीक्षण- अधिशासी अभियंता उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्माणाधीन CWR, Rising Main, Feeder Main, OHT, Distribution Pipe laying, Hydrotesting इत्यादि के कार्यों का टीपीआई व जल निगम द्वारा सतत निरीक्षण किया जाये। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा समस्त सहायक अभियंताओं को निर्देशित किया गया कि वह अपने सम्बन्धित क्षेत्रों के अवर अभियंताओं एवं स्वयं नियमित रूप से समस्त कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करें एवं अद्यतन सूचनाओं से अवगत रहें तथा कार्यों में आ रही किसी भी प्रकार के व्याधान को तुरंत निस्तारित कराना सुनिश्चित करें। साथ ही टीपीआई के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि प्रतिदिन निरीक्षण करें एवं निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। यदि किसी भी प्रकार की कमी पायी जाती है तो तत्काल अधिशासी अभियंता उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण) व अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।

सुरक्षा मानकों के अनुरूप कार्य कराना- टीपीआई के टीम डीपीएम द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै० दारा इंजीनियरिंग द्वारा सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए डीपीएम मै० दारा इंजी० को निर्देशित किया कि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन करना सुनिश्चित करें। यदि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया तो कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। अधिशासी अभियंता उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराना सुनिश्चित कराये।

उपरोक्त के सम्बन्ध में मेधा इंजी० के डीपीएम एवं, एन०सी०सी० के जेजीएम को निर्देशित किया गया कि परियोजना के शीघ्र पूर्ण किये जाने हेतु सम्बन्धित विभागों एन०एच०, एन०एच०ए०आई०, रेलवे, वन विभाग एवं सिंचाई विभाग आदि से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना सुनिश्चित करें एवं परियोजना की भौतिक प्रगति को मानव श्रम व आवश्यक मशीनरी बढ़ाकर कार्य गुणवत्तापूर्ण समयान्तर्गत करावें। मै० द्वारा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया कि सर्वोच्च प्राथमिकता पर अकियाशील पेयजल योजनाओं में आ रही कर्मियों, पाइप लाइन लीकेज, बार बार मोटर खराब होने, क्लोरीनेशन नहीं करने, मैन पावर की कमी, शिकायत का समय पर निस्तारण न करना आदि समस्याओं को दूर कराकर नियमानुसार योजनाओं का संचालन कराना सुनिश्चित करें। सभी सहायक अभियंता/अवर अभियंता तथा टी०वी०आई० को निर्देशित किया जाता है कि वे निरन्तर फील्ड में भ्रमण कर निर्माण कार्यों को तीव्रता से करावें एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि किसी भी ग्राम पंचायत एवं राजस्व ग्राम का कोई मजरा छूट ना पावें एवं प्रत्येक दशा में एफ०एच०टी०सी० कनेक्शन घर के अन्दर ही हो। इसके साथ साथ राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन पत्रांक संख्या 3910/जे०जे०एम (हाइड्रो टेस्टिंग)/2025-26/Tech-05 दिनांक 24.02.2026 तथा पत्रांक संख्या 3911/जे०जे०एम(रोड रेस्टोरेशन)/2025-26/Tech-05 दिनांक 24.02.2026 में दिये गये निर्देशों का कड़ाई से अक्षरशः पालन करना सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही अक्षम्य होगी।

अपर जिलाधिकारी
नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति,
आगरा।

कार्यालय जिलाधिकारी आगरा। (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति)

पत्रांक 135 /जे०जे०एम०/का०वृ०/2026

दिनांक 06/03/2026

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. अधिसासी निदेशक महोदय राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ को सादर अवलोकनार्थ।
2. जिलाधिकारी महोदय को सादर सूचनार्थ।
3. मुख्य विकास अधिकारी महोदय।
4. अधिसासी अभियंता, उ०प्र० जल निगम (ग्रामीण), आगरा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि सतत पर्यवेक्षण करते हुए गुणवत्ता मानकों को लागू कराते हुए अनुपालन कराना सुनिश्चित करें व अनुपालन आख्या प्रेषित करें।
5. अधिसासी अभियंता, उ०प्र० जल निगम (वि०/या०), आगरा को इस निर्देश के साथ जहाँ-जहाँ सिविल कार्य पूर्ण हो चुका है वहाँ पर E&M के उपकरण/मशीनरी की आपूर्ति कराकर शीघ्र ही इन्स्टॉलेशन का कार्य प्रारम्भ करावें।
6. सम्बन्धित तहसीलदार, सहायक अभियंता/अवर अभियंता यह सुनिश्चित करें कि फसल क्षतिपूर्ति नियमानुसार करावें।
7. समस्त सहायक अभियंता उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण), आगरा इस निर्देश के साथ प्रेषित कि वह स्वयं अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर अपने पर्यवेक्षण में गुणवत्ता एवं मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराना सुनिश्चित करें।
8. टीम लीडर/डी०पी०एम०, फिशर कन्सल्टिंग इंजीनियर्स (इण्डिया) प्रा० लि० आगरा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि अपने पर्यवेक्षण करते हुए गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखें।
9. जिला समन्वयक, जिला परियोजना अनुसंधान इकाई (डी०पी०एम०यू०), आगरा को अनुपालनार्थ।
10. जे०जी०एम०, मैसर्स एन०सी०सी० एच० (जे०वी०) (पैकेज-1), आगरा को अनुपालनार्थ।
11. मैसर्स मेधा इंजी० एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि० (पैकेज-2), सैक्टर-सी-02, प्लॉट नं०-177 सुशान्त गोलफ सिटी, अन्सल ए.पी.आई, निकट लुलु मॉल, लखनऊ-226030 को अनुपालनार्थ।
12. प्रोजेक्ट मैनेजर, मैसर्स मेधा इंजी० एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि० (पैकेज-2), आगरा को अनुपालनार्थ।
13. प्रोजेक्ट मैनेजर/डी०जी०एम०, मै० द्वारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा० लि०, आगरा को इस निर्देश के साथ नियमानुसार योजनाओं का संचालन कराना सुनिश्चित करें।
14. मै० द्वारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा० लि०, जौधपुर को अनुपालनार्थ।

06/03/2026
अपर जिलाधिकारी
नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति,
आगरा।